दीपावली की वैज्ञानिकता एवम् जीवनोपयागी टोटके

दीपावली का वैज्ञानिक पक्ष अंधकार और प्रकाश के संतुलन और उनकी सहवर्तिता का प्रतीक है और प्रत्येक अस्तित्व के गुण और दोषमय होने के सत्य का संपुष्ट प्रमाण है ऐसे संतुलन के पर्व का लाभ उल्लासमय व्यक्ति सक्रिय भागीदारी से ही उठा सकता है लेकिन ऐसी सक्रियता का स्वरुप क्या हो, यह जानना भी महत्वपूर्ण है। आइये, जानें ऐसे कुछ विधि-विधान के बारे में।

कार्तिक अमावस्या की काली घनी रात जब अपनी यौवनावस्था के चरमोत्कर्ष पर होती है और सूर्य कन्या राशि से बाहर आकर अपनी नीचाभिलाषी तुला में प्रवेश कर चुका होता है तो उसके परिणामस्वरुप पृथ्वी पर विशुद्ध, सूक्ष्म व सकारात्मक प्रकाश ऊर्जा का अभाव हो जाता है। तभी अंधकारमयी इस विडंबना की नकारात्मकता को दूर करने व पृथ्वी के कण-कण को प्रकाशमयी ऊर्जा से जीवंतता प्रदान करने हेतु दीपों से भरा प्रकाश पर्व दीपावली प्रभावकारिता की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हो जाता है।

वस्तुतः प्रकाश व अंधकार का यह संतुलन और उसकी वैज्ञानिकता जहां जीवन, स्वच्छता व उससे जुड़ी ऊर्जा के समान अनुपातों का एक प्रकरण है, वहीं दूसरी ओर कुछ यौगिक साधनाओं व उनकी सिद्धि हेतु भी इस काल को अत्यन्त उपयुक्त माना गया है। इस अवसर के अनुरुप कुछ जीवनोपयोगी तंत्र व टोटके इस प्रकार हैं।

आर्थिक-समृद्धि

- दीपावली की रात्रि में सात गोमती चक्र की प्राण-प्रतिष्ठा करें तथा उसे अपनी तिजोरी या गल्ले में रख दें। धन-वृद्धि की निरंतरता बनी रहेगी।
- दीपावली के शुभ मुहूर्त्त से प्रारम्भ करके प्रत्येक अमावस्या को किसी अपंग या विकलांग भिखारी को भोजन कराएं। धन-समृद्धि में सर्वदा वृद्धि होती रहेगी।
- सिंदूर, सात कौड़ी, कमल के फूल व श्रीयंत्र को किसी चाँदी के पात्र में रखकर दीपावली की रात्रि में अपने धन स्थान पर प्रतिष्ठापित करें, आर्थिक उन्नति की निरंतरता सर्वदा बनी रहेगी।
- दीपावली के शुभ मुहूर्त में साबुत नारियल को चमकीले लाल रंग के कपड़े में लपेटकर अपने धन-स्थान पर प्रतिष्ठापित करें। आर्थिक समृद्धि सर्वदा बनी रहेगी।
- दीपावली के दिन गोधूलि काल में तुलसी के पौधे को जल अर्पित करने के पश्चात् उसके समक्ष घी का दीपक प्रज्वलित करें तथा इस प्रक्रिया को सात शुक्रवार तक दोहराएं। इस दौरान धूप, अगरबत्ती आदि का प्रयोग अवश्य करें, धन-समृद्धि की वृद्धि का क्रम सर्वदा चलता रहेगा।
- दीपावली के शुभ मुहूर्त में तीन पीली कौड़ी, तीन कमलगट्टे व एक साबुत सुपारी को लाल रंग के कपड़े में लपेट कर तिजोरी या धन-स्थान पर स्थापित करें तथा प्रत्येक शुक्रवार को इसे धूप व अगरबत्ती दिखाया करें। खजाना सर्वदा भरा रहेगा।
- दीपावली के बाद क्रम से पांच बृहस्पतिवार यदि साधक किसी विवाहित स्त्री को सुहाग तथा श्रृंगार की सामग्री अपने सामर्थ्य के अनुरूप दान करें तो आर्थिक संकट से मुक्ति के मार्ग प्रशस्त होने लगेंगे।
- दीपावली के पूजन के समय साधक को 501 ग्राम सूखे छुआरों का भी पूजन लाल वस्त्र में रखकर करना चाहिए तथा अगले दिवस उन्हें पूजा स्थल से उठाकर धन रखने के स्थान पर रखें। 51 दिन तक निरन्तर कुछ मुद्रा यथाशक्ति किसी भी मंदिर में मां लक्ष्मी के नाम से अर्पित कर आर्थिक स्थिरता तथा प्रगति की प्रार्थना करें। इस प्रयोग का फल साधक को अवश्य ही प्राप्त होगा।

कर्ज से मुक्ति-

- दीपावली की रात्रि में अशोक के वृक्ष के समीप गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करें तथा इस प्रक्रिया को नित्य सात रात्रि तक दोहराते रहें। शीघ्र ही कर्ज से मुक्ति मिलने लगेगी।
- दीपावली की रात्रि एक मिट्टी के पात्र में चाँदी के सिक्के को रखकर घर

या व्यावसायिक स्थल के उस गुप्त स्थान पर स्थापित करें। जहाँ सूर्य की रोशनी न पड़ती हो, अवश्य ही कर्ज से मुक्ति मिलने लगेगी।

- दीपावली के शुभ मुहूर्त में कौड़ी व हरसिंगार की जड़ को पीले कपड़े में लपेटकर ताबीज स्वरुप गले या अपनी दाहिनी भुजा में धारण करें। शीघ्र ही कर्ज उतरने लगेगा।
- दीपावली की रात्रि को श्मशान के कुएं या चांपाकल से जल लाकर उस जल में चीनी मिश्रित करें तथा फिर उसे पीपल के वृक्ष पर अर्पित कर दें। दीपावली से प्रारम्भ करके इस प्रक्रिया को नित्य सात दिनों तक दोहराते रहें। शीघ्र ही कर्ज उतरने लगेगा।
- दीपावली के दिन पूजन के समय एक चांदी की डिब्बी के साथ नागकेसर, शहद अथवा कचनार के पत्तों का सविधि पूजन करें तथा रात्रि भर प्रयुक्त पूजन सामग्री वहीं स्थापित रहने दें। अगले दिन समस्त सामग्री को चांदी के पात्र में रखकर लाल वस्त्र में बांध दें तथा धन रखने के स्थान पर स्थापित करें। धन प्राप्ति के मार्ग स्वतः ही खुलने लगते हैं। धन आगमन से आपकी प्रत्येक समस्यां सुलझ जायेगी।

पारिवारिक-समृद्धि-

- दीपावली की रात्रि में परिवार के सभी सदस्यों के सिर के ऊपर से काले तिल को सात बार उतार कर घर की पश्चिम दिशा की ओर फेंक दें। ऐसा करने से पारिवारिक सुख पर आने वाली कोई भी नकारात्मक बला शीघ्र ही उतर जाती है।
- दीपावली की शाम पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल के दीपक को प्रज्वलित करें तथा इस प्रक्रिया को नियमित रुप से प्रत्येक शनिवार को दोहराते रहें। ऐसा करना पारिवारिक समृद्धि के लिए अत्यंत लाभप्रद होता है।
- दीपावली की रात्रि किसी गरीब विवाहित कन्या को अपनी पत्नी के हाथ से सुहाग-सामग्री व इत्र या सुगंधित वस्तु दान में दिलवाएं, घर में सर्वदा सुख-शान्ति बनी रहेगी।
- दीपावली की रात्रि किसी मिट्टी के पात्र में अंगार व जंगली कबूतर की बीट को रखकर उसकी धूनी घर के प्रत्येक कमरे को दिखाएं। पारिवारिक समृद्धि सर्वदा बनी रहेगी।
- दीपावली की रात्रि घर के प्रत्येक कमरे में शंख व डमरु बजाएं, घर में व्याप्त कोई भी नकारात्मक ऊर्जा शीघ्र ही समाप्त हो जाएगी।
- दीपावली की रात्रि घर के प्रत्येक कमरे में समुद्र जल के छींटे तथा धूप अगरबत्ती आदि की धूनी दें। पारिवारिक संपन्नता बनी रहेगी।
- दीपावली की रात्रि सात हकीक पत्थर को सफेद पारदर्शक कपड़े में लपेटकर अपने घर के मुख्य द्वार पर लटका दें तथा प्रत्येक शुक्रवार को उसे धूप व अगरबत्ती दिखाते रहें। पारिवारिक समृद्धि व ऐश्वर्य में निरन्तर वृद्धि होती रहेगी।
- दीपावली के दिन मां लक्ष्मी की पूजा आराधना करते समय लाल रंग की वस्तुओं का प्रयोग अधिकता में करना चाहिए। उदाहरणार्थ-माता की आरती में प्रयोग किये जाने वाले दीपक की बाती रूई की अपेक्षा यदि कलावे से निर्मित हो तो लाभकारी सिद्ध होगी क्योंकि लाल रंग लक्ष्मीजी को अधिक प्रिय है।
- पारिवारिक समृद्धि एवं धन के स्थायित्व हेतु यदि साधक दीपावली के शुभ पर्व तथा शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को एक दिव्य शंख, चार गोमती चक्र, तीन हकीक पत्थर (लाल, पीला व सफेद) तथा एक तांबे का सिक्का, इन्हें लाल रेशमी वस्त्र पर स्थापित करके शोड्शोपचार पूजन के उपरांत अभिमंत्रित कर उस वस्त्र में बांधकर एक पोटली का रूप दे दें। इस पोटली का पूजन सविधि 21 दिन तक करके धन रखने के स्थान पर स्थित करें। इस प्रयोग को करने के उपरांत निश्चित ही माता लक्ष्मी का स्थायी वास साधक के निवास में हो जाता है।
- दीपावली से पूर्व पूर्णिमा के शुभ दिन में श्वेत वस्त्र को हल्दी तथा केसर से रंग लें। तदुपरांत दीपावली की रात्रि में इस वस्त्र पर तीन मुट्ठी नागकेसर तथा सामर्थ्यानुसार तांबे अथवा चांदी की चरण पादुकाएं निर्मित कराकर स्थापित करें। इन पादुकाओं का षोड्शोपचार पूजन के उपरांत पोटली के रूप में बांधकर पूजाघर या रसोईघर में उन्हें लटका दें। यदि यह प्रयोग दीपावली को सम्पन्न न कर सकें तो शुक्लपक्ष की प्रथमा तिथि अथवा बुधवार को पूर्ण कर सकते हैं। साधक द्वारा सविधि सम्पन्न किये गए इस प्रयोग से माँ लक्ष्मी के साथ-साथ अन्नपूर्णा माँ की अनुकम्पा प्राप्त होती है।

शत्रु से सुरक्षा-

- दीपावली की रात्रि एक मुट्ठी उड़द के दानों पर शत्रु के नाम का मनन करके उन्हें किसी निर्जन स्थान पर दबा दें तथा उस के ऊपर नींबू निचोड़ दें। शत्रु का क्रोध समाप्त हो जाएगा।
- दीपावली की रात्रि एक मुट्ठी शक्कर व तिल मिश्रित करें तथा शत्रु के नाम का मनन करके उसे किसी निर्जन स्थान पर दबा दें। शत्रु के हृदय में आप के प्रति करुणा उत्पन्न होने लगेगी।
- दीपावली की रात्रि एक साबुत नींबू के ऊपर शत्रु का नाम लिखकर किसी बहते दरिया में प्रवाहित कर दें। शत्रु के हृदय में मित्रता के भाव उत्पन्न होने लगेगें।
- दीपावली के शुभ मुहूर्त्त में पीपल की जड़ को अभिमंत्रित करें तथा उसे चांदी के ताबीज में डालकर गले में धारण करें। आपसी शत्रुता प्रेम में बदलने लगेगी। ♦♦♦

दीपावली की रात लक्ष्मी आगमन के संकेत ऐसे पहचानें

दीपावली की रात देवी लक्ष्मी धरती पर आती हैं। इस रात जिस घर पर देवी की कृपा हो जाती है उनके लिए पूरा वर्ष सुखद रहता है। धन आगमन एवं लाभ का स्रोत बना रहता है। भौतिक सुख के साधन एवं स्थायी संपत्ति में इजाफा होता है। शकुन शास्त्र एवं प्राचीन मान्यताओं के अनुसार दीपावली की रात कुछ ऐसे संकेत मिलते हैं जिससे आप जान सकते हैं कि इस वर्ष आप पर लक्ष्मी की कृपा हुई है। दीपावली की रात कुछ ऐसे संकेत मिलते हैं-

दीवारों पर दिख जाए छिपकली-

दीवारों पर दौड़ती हुई छिपकली आपको यूं तो अक्सर दिख जाएगी। लेकिन दीपावली की रात छिपकली का दिखना बड़ा ही दुर्लभ होता है। इस रात अगर आपको छिपकली दिख जाए तो यह बड़ा ही अच्छा शगुन होता है। यह लक्ष्मी की कृपा का सूचक माना गया है।

बिल्ली घर में आए तो किस्मत खुल जाए-

घर में घुसकर बिल्ली अक्सर दूध पी जाती है और आप इससे दुःखी हो जाते हैं। लेकिन दीपावली की रात अगर बिल्ली घर में आ जाए तो जश्न मनाना चाहिए। यह धन वृद्धि का सूचक होता है। बिल्ली को नकारात्मक उर्जा का संचार करने वाला जीव माना गया है लेकिन दीपावली की रात घर की छत पर बिल्ली आकर मल त्याग करे तो इसे स्थायी लक्ष्मी की प्राप्ति का संकेत मानना चाहिए।

प्रार्थना करें उल्लू दिख जाए-

देवी लक्ष्मी का वाहन उल्लू माना गया है। माना जाता है कि दीपावली की काली अमावस की रात में देवी लक्ष्मी अपने वाहन पर बैठकर भ्रमण करती हैं। इसलिए इस दिन उल्लू का दिखना बहुत ही शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इस दिन उल्लू का दिखना देवी लक्ष्मी की कृपा से ही संभव होता है।

साल भर धनागमन बना रहता है-

छछुंदर जमीन के अंदर बिल बनाकर रहता है। यह रात के समय घरों में घुसकर बिखरे अनाज और दूसरे खाद्य पदार्थों को खाकर पेट भरता है।

दीपावली की रात अगर छछुंदर घर में आ जाए तो इसे भी शुभ संकेत समझना चाहिए इससे साल भर धनागमन बना रहता है।

दीपावली के दिन गिरा हुआ अथवा कहीं से अटका हुआ धन का मिलना भी शुभ शगुन माना गया है। इस दिन उपहार मिलना भी शुभ शगुन माना गया है इसलिए दीपावली के दिन एक दूसरे को उपहार देने का रिवाज है।